नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

सुप्रसिद्ध लोकगायिका चंदन तिवारी के लोकगायन ने बांधा समां

नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत में हिंदी विश्वविद्यालय का आयोजन

वर्धा दि. 03 सितंबर 2015: लोकशैली और शास्त्रीयता के मेल से अलग-अलग अंदाज में लोकसंगीत को प्रस्तुत कर देश-दुनिया में ख्याति बटोर चुकी मशहूर लोकगायिका चंदन तिवारी ने बुधवार को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय परिसर में सुरों का जादू बिखेर कर समां बांधा।

विश्वविद्यालय द्वारा नवागंतुक विद्यार्थियों के सम्मान में आयोजित सांस्कृतिक संध्या में चंदन तिवारी के अलावा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने तथा वर्धा के कलाकारों ने भी अलग-अलग तेरह राज्यों के लोक नृत्य भी प्रस्तुत किए जिसमें महाराष्ट्र की लावणी, मणीपुर का मणीपुरी, छत्तीसगढ़ी, कत्थक, राजस्थानी, बंगाली आदि राज्यों के नृत्य भी शामिल थे। कार्यक्रम का महत्वपूर्ण आकर्षण दुनिया में पहली बार गांधी के आगमन के शताब्दी वर्ष को लेकर विशेष रूप से तैयार किए गये लोकगीत एवं गांधी माह के नाम शुरू किए गए इस अभियान का पहला कार्यक्रम गांधी की कर्मभूमि वर्धा से शुरू हुआ है। इस क्रम में देशभर में कई जगह पर महीने भर कार्यक्रम आयोजित होंगे।

कार्यक्रम का संयोजन छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. अनिल कुमार राय ने किया।

चंदन तिवारी ने दादरा, कजरी, झूला, होली, चैती, सोहर, बन्ना, विवाह, धोबिया, बिरहा, निर्गुण आदि पारंपरिक लोकगीत प्रस्तुत कर श्रोताओं को करीब चार घंटे तक मुग्ध कर दिया। उनका गायन लोकगीतों के शौकिन श्रोताओं एवं दर्शकों के लिए एक अदभूत क्षण रहा। उन्होंने लोकगीतों के साथ-साथ कुछ सूफीयाना अंदाज में सूफी गीत और गज़लें भी प्रस्तुत की। चंदन तिवारी ने संत कबीर, भिखारी ठाकुर, महेंद्र मिसिर, विद्यानिवास मिश्र, भोलानाथ गहमरी और हजरत अमीर खुसरो के गीतों की प्रस्तुति कर विश्वविद्यालय का माहौल लोकमय कर दिया। इस शाम को संपदा ने मनमोहक नृत्यों की प्रस्तुति देकर चार चांद लगा दिये। इस मौके पर चंदन तिवारी की गुरू उनकी माताजी रेखा तिवारी ने भी अपनी प्रस्तुति से सभी का दिल जीत लिया।

कार्यक्रम का प्रारंभ कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के प्रधानमंत्री प्रो. अनंतराम त्रिपाठी, आवासीय लेखक अरूणेश नीरन, विद्यार्थी कल्याण अधिष्ठाता प्रो. अनिल कुमार राय द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से किया गया। अतिथियों का स्वागत सम्मान प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल, प्रो. देवराज, प्रो. अरबिंद कुमार झा ने किया।

कार्यक्रम में वर्धा के पुलिस उपअधीक्षक, गृह आर. जी. किल्लेकर, विश्वविद्‍यालय के संयुक्त कुलसचिव पी. सरदार सिंह, विशेष कर्तव्य अधिकारी नरेंद्र सिंह सहित विश्वविद्‍यालय के अध्यापक, अधिकारी, कर्मी, विद्‍यार्थी तथा वर्धा के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन शोधार्थी धीरेंद्र राय ने किया।